डॉ. पद्मा पाटील,
एम्.ए.,एम्.फिल्., पीएच्.डी.
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

संस्तुति

मैं संस्तुति करती हूँ कि **सुश्री. रूपाली तुकाराम जंगम** द्वारा प्रस्तुत **''चित्रा मुद्गल की कहानियों का अनुशीलन'' ('ग्यारह लंबी कहानियाँ' तथा 'चर्चित कहानियाँ' के विशेष संदर्भ में)** लघुशोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए ।

(डॉ. पद्मा पाटील)
Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

स्थान - कोल्हापुर

तिथि - 29/07/2008

डॉ.आशा स्नेहलकुमार मणियार
हिंदी पंडित,एम्.ए.,एम्.फिल्.,पीएच्.डी.
प्रपाठक, हिंदी विभाग,
देवचंद महाविद्यालय, अर्जुननगर
एवं मानद अध्यापिका,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्र मा ण प त्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि **सुश्री. रूपाली तुकाराम जंगम** ने मेरे निर्देशन में **''चित्रा मुद्गल की कहानियों का अनुशीलन'' ('ग्यारह लंबी कहानियाँ' तथा 'चर्चित कहानियाँ' के विशेष संदर्भ में)** लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल्. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत किया है। पूर्व नियोजित संपन्न इस कार्य में शोध-छात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णत: पालन किया है। जो तथ्य इस लघुशोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोध-छात्रा के इस कार्य से मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। इस लघु शोध-प्रबंध को आद्योपांत पढ़कर मैं इसे परीक्षणार्थ अग्रेषित करने हेतु अनुमति प्रदान करती हूँ। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय में एम्.फिल्. उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-निर्देशिका

स्थान - कोल्हापुर

तिथि -

(डॉ. आशा स्नेहलकुमार मणियार)
डॉ. आशा एस्. मणियार
हिंदी पंडित,एम्.ए.,एम्.फिल्.,पीएच.डी.
प्रपाठक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर हिंदी
देवचंद कॉलेज, अर्जुननगर एवं मानद व्या
शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर (म

प्र ख्या प न

मैं प्रख्यापित करती हूँ कि **''चित्रा मुद्गल की कहानियों का अनुशीलन'' ('ग्यारह लंबी कहानियाँ' तथा 'चर्चित कहानियाँ' के विशेष संदर्भ में)** लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो **एम्.फिल्. (हिंदी)** उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है । यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की एम्.फिल्. उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्रा

स्थान - कोल्हापुर

तिथि -

(सुश्री. रूपाली तुकाराम जंगम)